

न्यायालय तहसीलदार (सदर) कानपुर नगर।

वाद सं०-598/10-11

महावीर सह०आ०स०

बनाम

श्रीमती रामलली

धारा-34/35 एल०आर० एक्ट ।

मौजा-बैरी अकबरपुर कछार कानपुर नगर।

निर्णय

प्रस्तुत नामान्तरण वाद प्रार्थी द्वारा पंजीकृत विक्रयपत्र के आधार पर प्रस्तुत करते हुए विक्रीत भूमि पर राजस्व अभिलेखों में अपना नाम अंकित किये जाने की प्रार्थना की है।

नियमानुसार इस्तहार जारी किये गये जो बाद तामीली शामिल पत्रावली हैं। किसी ओर से कोई आपत्ति प्रस्तुत नहीं हुयी। वादी को साक्ष्य का अवसर प्रदान किया गया। वादी द्वारा साक्ष्य में मूल बैनामा, नकल उद्धरण खतौनी व शपथपत्र प्रस्तुत किया गया। विक्रीत भूमि पर वादी का ही कब्जा व दखल है। विक्रेता अनुसूचित जाति का सदस्य नहीं है। विक्रीत भूमि के०डी०ए०, सीलिंग, भूदान, पट्टा आदि की नहीं है।

मैंने पत्रावली का सम्यक् अवलोकन किया तथा उपलब्ध साक्ष्यों को पढ़ा। पत्रावली में उपलब्ध मूल बैनामा से आराजी निजाई का प्रार्थी के हक में विक्रय किया जाना सिद्ध है। अतएव वादी का नामान्तरण प्रार्थनापत्र स्वीकार किये जाने योग्य पाता हूँ। अतः वादी का नामान्तरण प्रार्थनापत्र स्वीकार किया जाता है।

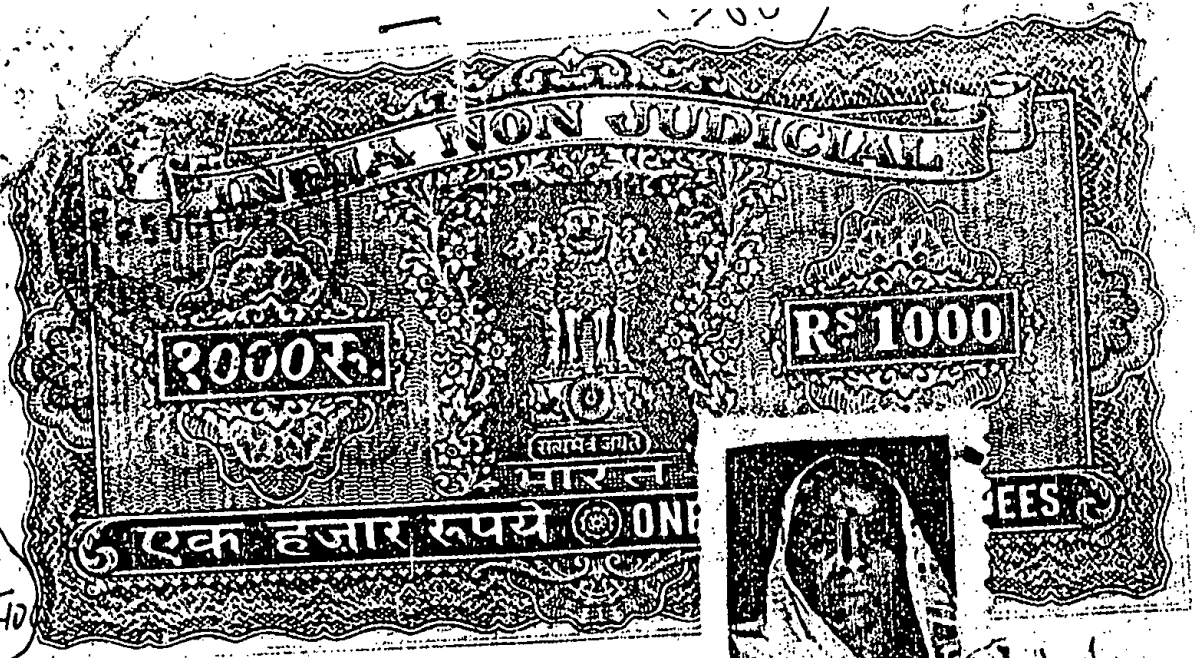
आदेश

ग्राम बैरी अकबरपुर कछार की खतौनी वर्ष 1415 फ० लगायत 1420 फ० के खाता सं० 386 आराजी सं० 1044/0.328, 1090/0.051हे० कुल 2 किता कुल रकवा 0.379हे० के 1/4 भाग मालगुजारी 60ख से विक्रेती श्रीमती रामलली पत्नी सुरेन्द्र कुमार वर्मा निवासिनी म०न० 124/44बी ब्लॉक गोविन्द नगर कानपुर नगर का नाम पृथक् करके पंजीकृत बैनामा दिनांक 07-08-2010 के आधार पर केता महावीर सहकारी आवास समिति लि० कानपुर नगर द्वारा सचिव श्री ए०के०जैन पुत्र श्री जे०के० जैन निवासी म०न० 73 आर०एस०पुरम काकादेव कानपुर नगर का नाम बतौर संकमणीय भूमिधर/सहकृषक दर्ज कागजात किया जावे। वाद अमल दरामद पत्रावली दाखिल दफतर की जावे।

दिनांक- 8.2.11


तहसीलदार (सदर)
कानपुर नगर।

870
7-8-10



478

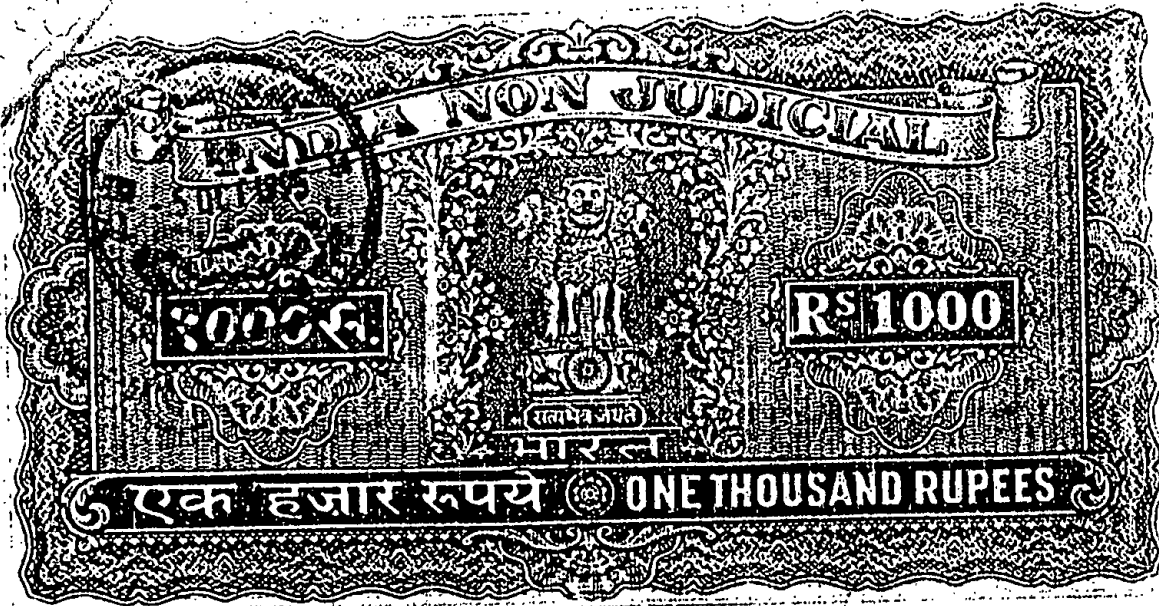
II श्रीगणेशाय नमः II

मन कि श्रीमती रामलली पत्नी गुरेन्द्र कुमार वर्मा
 निवास्ति पकान नम्बर १२४।४४ बी ब्लाक गोविन्द
 नगर शहर कानपुर की हूँ।

विदित हो कि मिन पुकिरा बाराजी भूमिधारी नम्बरी
 १०४४ रकबा ०. ३२८ ई० व १०६० रकबा ०. ०५१ ई०
 कुल दो किता कुल रकबा ०. ३७९ ई० यानी १।।।२ स्थित
 माँजा बैरी ककबरपुर कठार परगना व तहसील व जिला
 कानपुर नगर के १।४ भाग की तनहा मा लिक, का विज बदनील

राम लली
 श्रीमती

२



(२)

संक्रमणीय मूमिघर काश्तकारिया है। मिन मुकिरा के हिस्से
 में अन्य कोई व्यक्ति हकदार व हिस्सेदार नहीं है, जो न
 ही मागीदार है। कब्जा भी मिन मुकिरा का है तथा नाम
 भी दर्ज कागजात सरकारी मुराजख अभिलेखों में बताना
 मिल किम्त है। मिन मुकिरा की उक्त आराजियात विवरण
 निम्नलिखित आज दिन तक जुप्ला बार किफालत से बरी
 पाक व साफ है। कहीं खन, बय, हिजा, मुस्तगरक, जमानत
 वादि नहीं है तथा किसी डिगरी व हजारये डिगरी में कुर्क
 वधवा बरसरे नीलाम नहीं है, तथा मिन मुकिरा की किसी
 न्यायालय या मोहक्मा सरकारी द्वारा आज दिन तक उक्त

राम लाला
 रामलाला

२



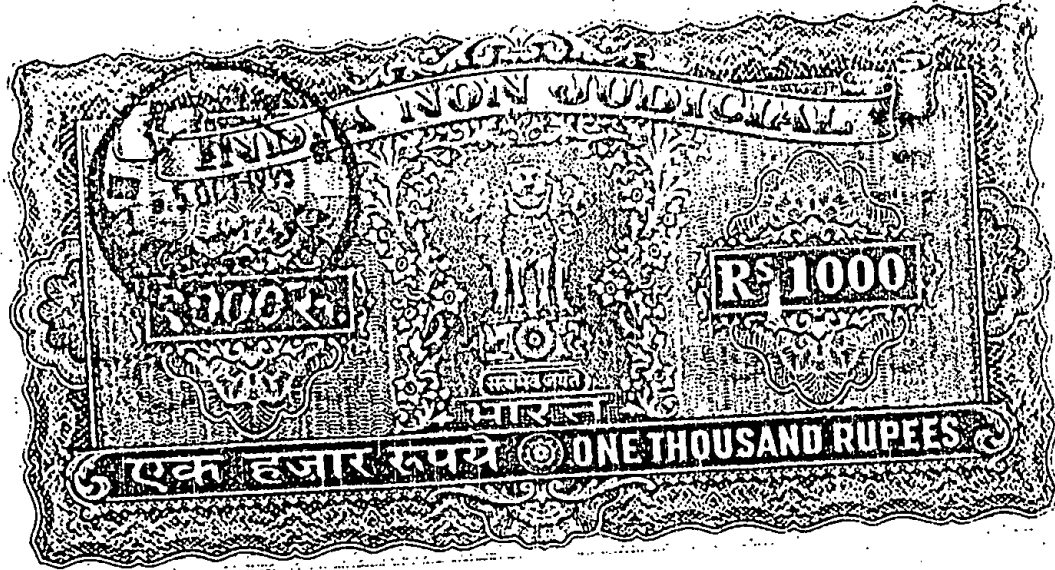
(3)

जायदाद को विक्रय वादि करने से भी नहीं रोका गया है।
उक्त जायदाद किसी न्यायालय या मोहकमा सरकारों द्वारा
वाज दिन तक एक्वायर नहीं कीगयी है और न ही मिन
पुकिरा को एक्वायर करने सम्बन्धी कोई नोटिस ही प्राप्त
हुई है तथा मिन पुकिरा की उक्त जायदाद बैंक लोन वादि में
बन्धक नहीं है तथा कोई इन्टरल इनकम टैक्स या सेल टैक्स की
नहीं है। गरजे कि जायदाद उपरोक्त वाज दिन तक इस प्रकार
सेपाक व साफ है तथा मिन पुकिरा को उक्त बाराजियात
विवरण निम्नलिखित को बजरिये बयनामा विक्रय करने सम्बन्धी
समस्त अधिकार मालिकाना हासिल है। चूंकि मिन पुकिरा

राम लाला
राम लाला

२

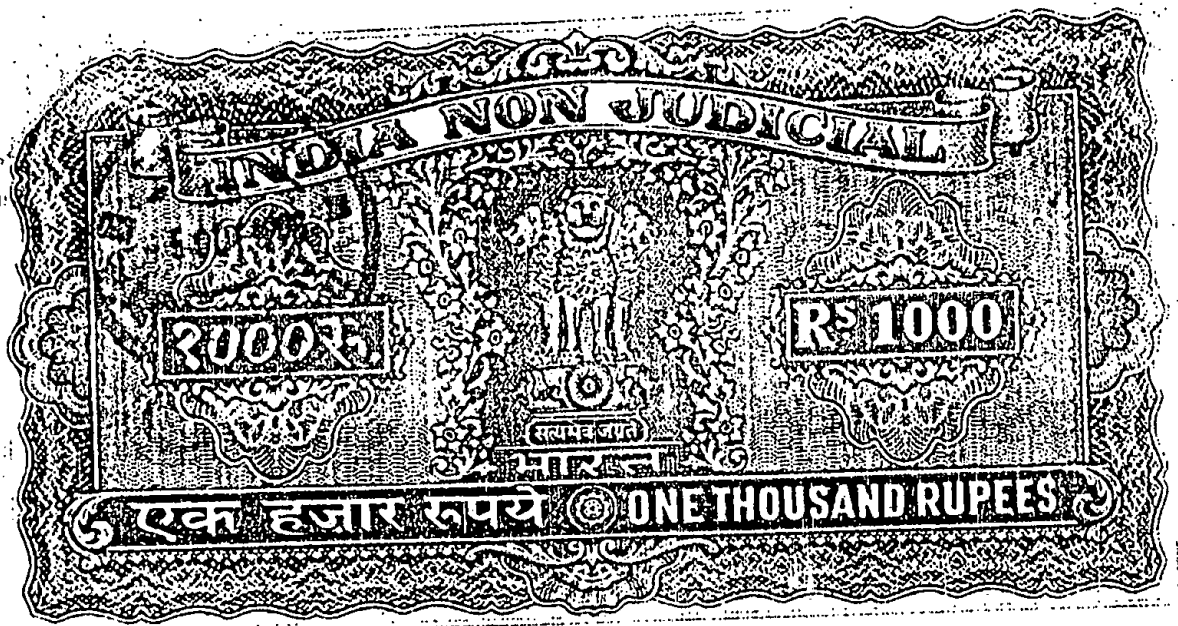
1000 Rs.



(४)

को जास्ते सब तानगी व अन्य आवश्यकताओं की पूर्ति
 हेतु आपका की कृत आवश्यकता दरपेश है, जो कि बिना
 बेचे दूने का राजियात उपरोक्त विवरण हस्त में
 मुक़िरा की जरूरत रफा नहीं हो सकती है। लिहाजा
 मैं मुक़िरा ने उक्त का राजियात विवरण निम्नलिखित
 को बेचना उचित समझ कर बेचने की बात छपर छपर बात-
 चीत की ता उपरोक्त का राजियात को सह मा लिक, का विज
 दलील महावीर सहकारी आवास समिति लि० मुख्य कार्यालय
 सिटी सेण्टर माल रोड शहर कानपुर ज़रिये सचिव श्री ए० कै० जे
 बालिग पुत्र श्री जे० कै० जे निवासी मकान नम्बर ७३ आर० एस०

राम लाल
 राम लाल

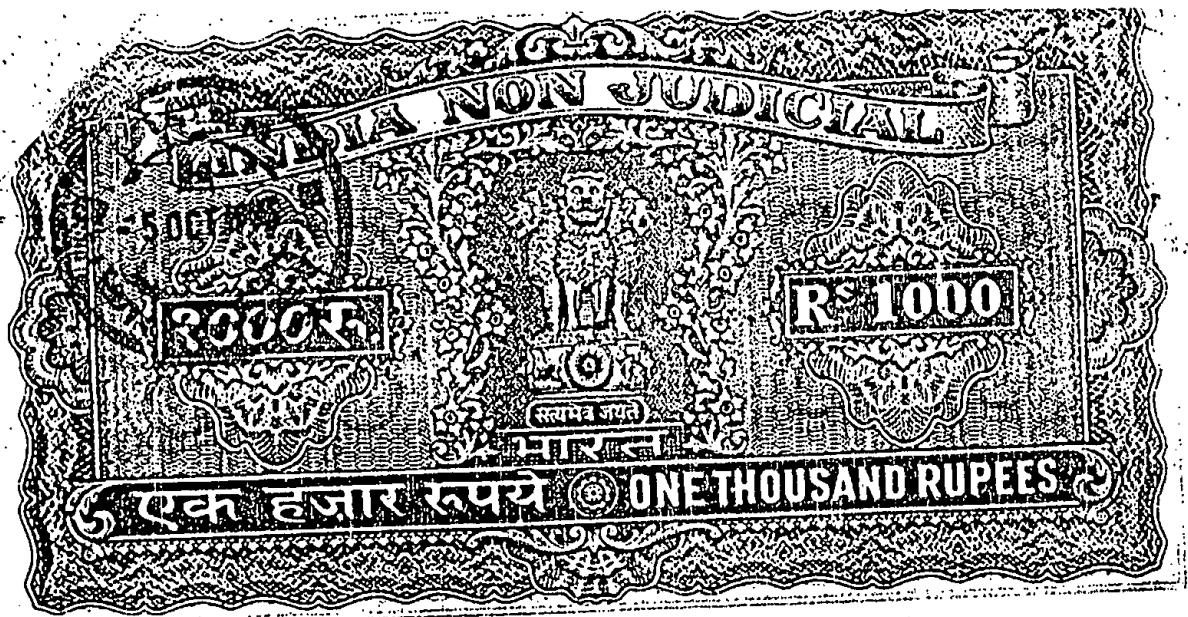


(५)

पुस काकादेव शहर कानपुर जिले स्वज मुबलिंग
 ४६,२५०१- दिया लिख हजार दो सौ पचास रुपया
 में मिन मुकिर का १।४ भाग विवरण निम्न लिखित
 को मरीद करने पर तैयार व राजामन्द है, कीमत निहायत
 मुना सिब व बाजिब है। तथा मिन मुकिरा को मंजूर व
 तस्लीम है। इससे ज्यादा कीमत में उक्त जायदाद नहीं
 बिक सकता है। उपरोक्त मरीदार समिति ने उक्त कुल
 बाराजियत का निष्फ भाग पहले ही सह कारतकारान
 शिवप्रसाद वगैरह से क्रय कर लिया है। लिहाजा बहालत
 सेहत जात व सबात अक्ल कुरुस्ती हाश हवात विला

रामलाली
 रामलाली

८



(६)

किसी दाव नाजायज के मय जुम्ला हक व हकूक दाखिली
 व मारिजी हाल व बाधदा बिना होंडे हुए किसी चीज
 के मय हकूक मालिकाना व इन्तकाली सदित विल एवज
 मुबल्लिग ४६,२५०।- हिया लिंग हजार दो सौ पचास रुपयार्ने
 बंदेस्महाबीर सहकारी आवास मण्डि ति लि० मुख्य कार्यालय
 सिटी सेंटर माल रोड, शहर कानपुर जरिये सचिव श्री ए०के०
 जैन बालिग पुत्र श्री जे० के० जैन निवासी मकान नम्बर ७३,
 नारो स्त० पुरम, काकादेव शहर कानपुर को विक्रय कर दिया
 यानी बँच हाला तथा मिन मुकिरो ने कुल विक्रय धन राशि
 मुबल्लिग ४६,२५०।- हिया लिंग हजार दो सौ पचास रुपया
 जिसके आधे मुबल्लिग २३,१२५।- तेदस हजार एक सौ पचीस
 रुपया होतह, निम्न लिखित तफसील के अनुसार उपरोक्त

२

रामतला
 रामतला



(७)

सरीदार समिति से नकद वसूल पा लिया है। निम्न
 जर कम अब एक भी पैसा पाना जिम्मे सरीदार समिति
 के शेष नहीं रह गया है। पित मुक्ति ने आज की तारीख
 से जायदाद मुबैया हाजा से अपना कच्चा बदल मा लिकाना
 व बाकई कतई माँके से हटा कर मिस्ल अपने कच्चा बदल
 मा लिकाना व बाकई जायदाद मुबैया हाजा पर आज की
 तारीख से सरीदार समिति का करा दिया तथा मा लिक,
 का विजरा दिया, आज की तारीख से सरीदार समिति
 जायदाद मुबैया हाजा का एक मात्र मा लिक, का विज व दमल
 हो गया तथा उसे कुल अधिकार जायदाद मुबैया हाजा की

राम लाल
 राम लाल

२



(८)

निश्चित माफिकाना, इन्तकाली, दानिली व सारिजी
 हालत बाफदा के हा मिल हो गये हैं। तब सरीदार समिति
 को अधिकार होगा कि वह जाफदा मुबंया हाजा पर
 माफिक, का धिज वदगील रह कर जिन प्रकार से चाहें अपने
 स्तेमकल व प्रयोग में लावें। हममें मुकिरा व वारिमान मुकिरा
 व काय्य मुकामान वारिमान मुकिरा को कोई ठजुर व स्त-
 राज न होगा। सरीदार समिति को चाहिए कि वह अपना
 नाम कागजात सरकारी में बधामा मिलकिया दर्ज करा देवे,
 तथा दर्ज नाम मिन मुकिरा स्तराज करा देवे। जिसकी
 रजामन्दी इस बधामा हाजा द्वारा गमफी जावेगी। फिर

रामलाला
 रामलाला

८



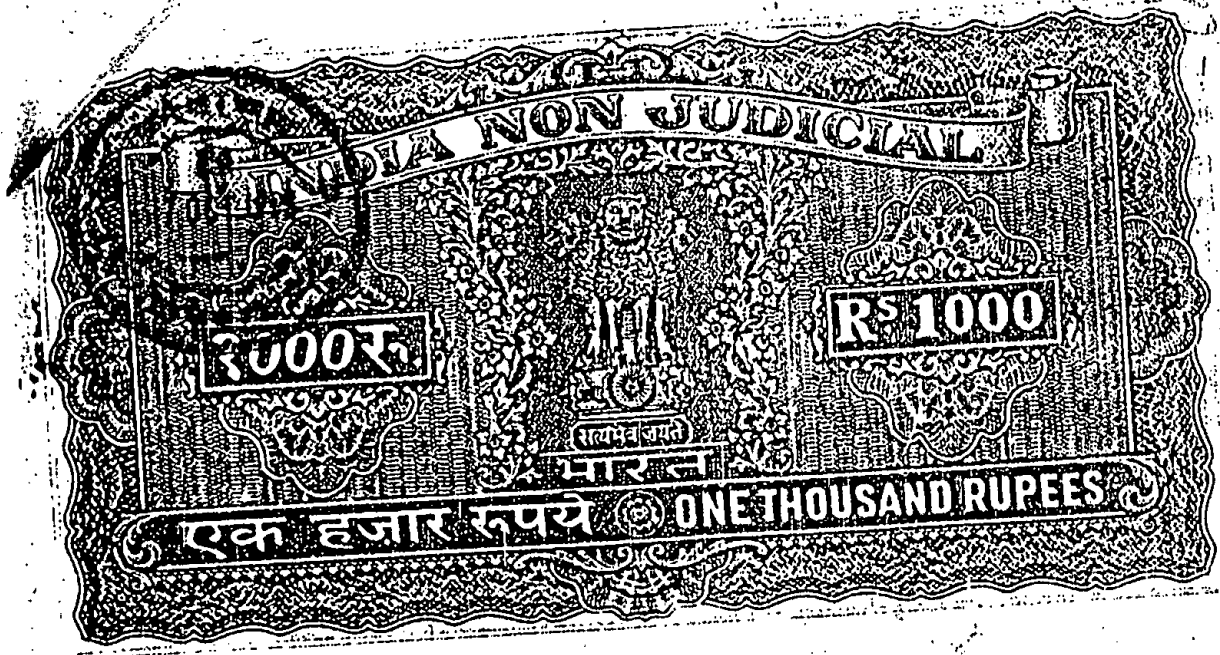
(६)

भी यदि कहीं जरूरत पड़ी तो मुक़िरा अपनी तहरीरों व जुबानी रजामन्दी देने का वाक़्द रहेगी। मिन मुक़िरा ने जायदाद उपरोक्त के पूर्ण रूप से पाक व साफ होने का यकीन व इतमिनान तरीदार समिति को करा दिया है। फिर भी यदि मुक़िरा के फले या तर्कले या मुक़्त मिलकियत आदि की वजह से जायदाद मुबैया हाजा का कुल या कुछ भाग कच्चा बदल तरीदार समिति के हक से निकल जावे या तरीदार समिति को जायदाद मुबैया हाजा की निस्वत आज दिन तक की बाबत कुछ भी बढ़ा या संफ़ करना पड़े तो उसकी सारी जिम्मेदारी मुक़िरा व वारि-

रामलाला
रामलाला

२

1000Rs.

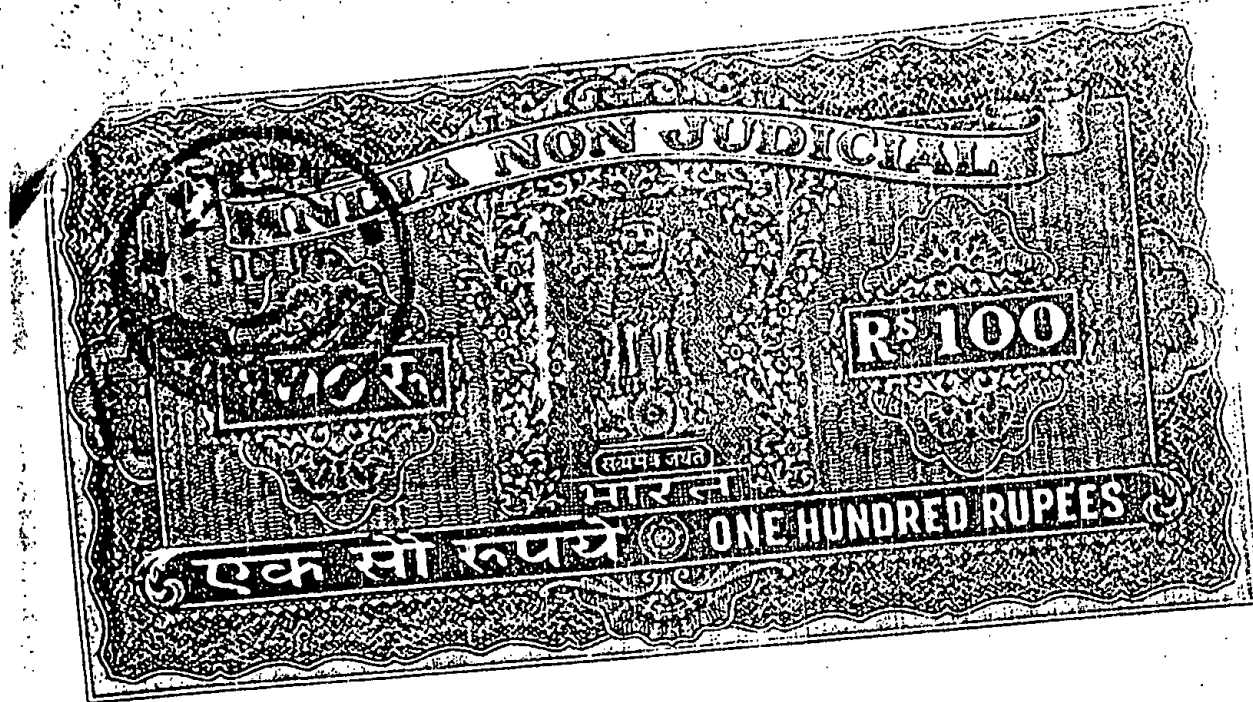


(१०)

मान मुक़िरा व कायम मुक़ामान वारिमान मुक़िराकी
होगी, वरि नरीदास्तमिति को अधिकार होगा कि वह
वपना कुल ज़र नपन मय हरजा वनचर्च के मुक़िरा की दीगर
जात म्वास जायदाद मनकुला व गैर मनकुला से जिस प्रकार
ने चाहें दाम दाम नकद वसूल पा लेवे। इसमें मुक़िरा व
वारिमान मुक़िरा व कायम मुक़ामान वारिमान मुक़िरा
को कोई उबुर व स्तराज न होगा। कुमला शरायत दस्ता-
वेज हाजा की पाबन्दी मुक़िरा व वारिमान मुक़िरा व
कायम मुक़ामान वारिमान मुक़िरा पर लाजिम व बाजिव
होगी।

राम लाला
राम लाला

८



(११)

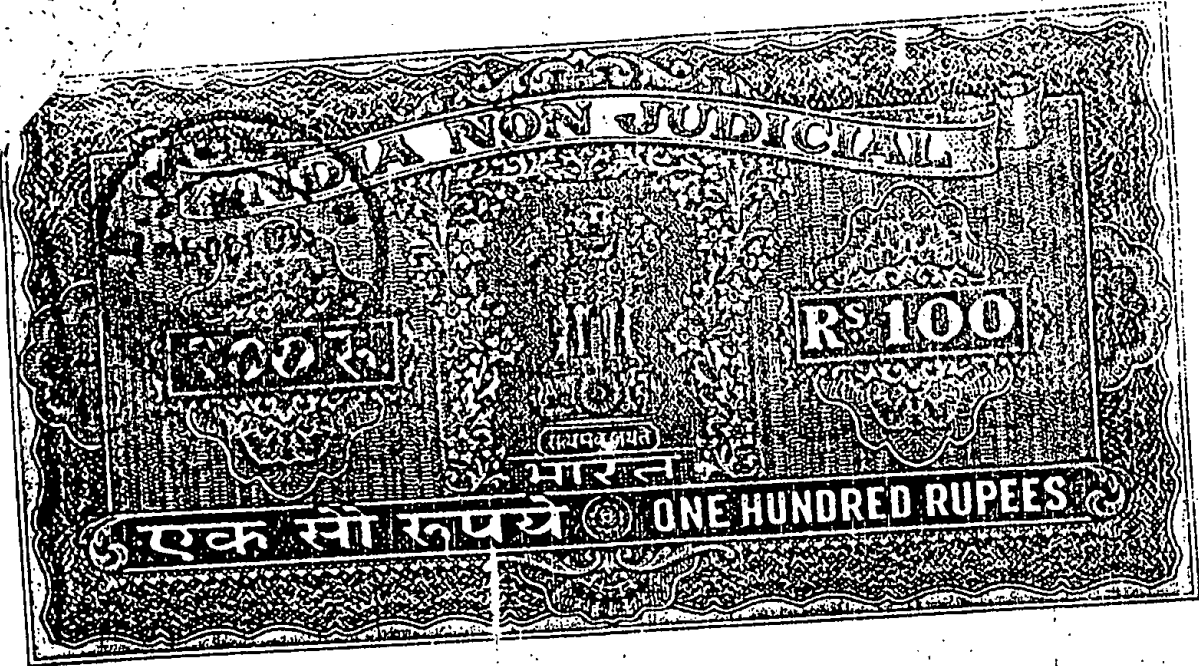
लिहाजा बहु रुखी हाश हवात विला किमी दाब
नाजायज के स्वस्थय, मन, बुद्धि, चित्त व छन्दियाँ की
स्वस्थय दशा में बिना किसी के ककाये या बागलाये राजी
खुशी से यह चन्द कलमात बतरीक बयनामा कतई तररीर
कर दिया ताकि मनद रहे और वक्त जरूरत पर काम
आवै।

विवरण जायदाद मुबैया

आ राजियात भूमिधर नम्बरी १०४४ एक हजार
चवा लिस रुबा ०. ३२८ ह० शून्य दशमलव तीन दो आठ

रामलाली
रामलाली

८

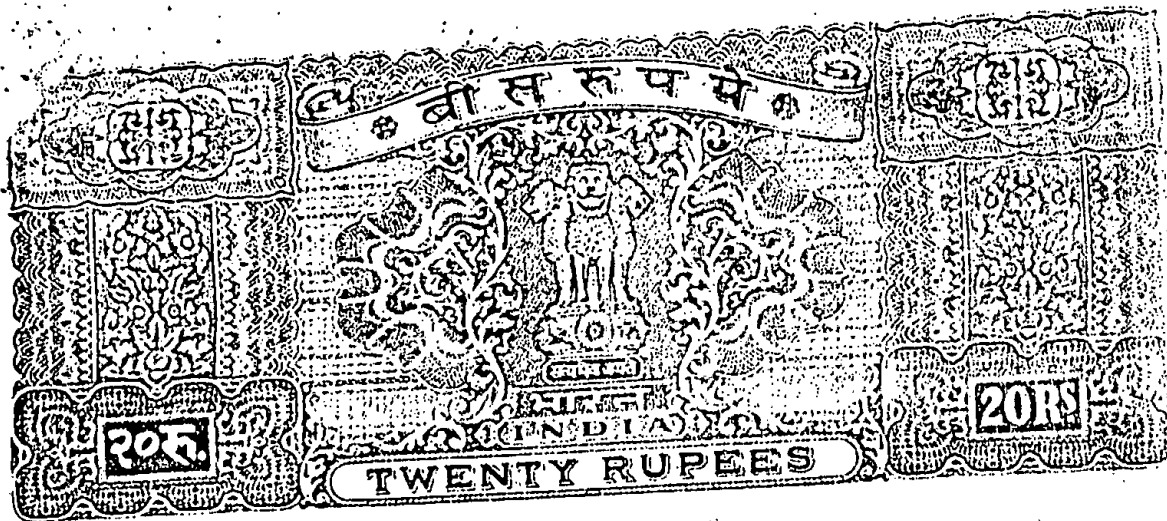


(१२)

हं० व वाराजी मूषिघरि नम्बरी १०६० स्क हजार
 नब्बे रुका ०, ०५१ हं० शून्य क्शमलव शून्य पांच स्क
 हं० कूदा कीता कुल रुका ०, ३७६ हं० यानी रुका
 १।।।२ स्क बीघा सत्तरह बिस्वा स्थित मीजा बेरी
 बकबरपुर कटार परगना व तहसील व जिला कानपुर नगर
 का १।४ स्क बटा चार भाग विक्रय किया गया है। मूमि
 बेकी कीवाजा श्रीमान सहाय प्राधिका री महोदय नगर मूमि
 सीमा रोपण कार्यालय पा रयती बागला रोड शहर कानपुर
 से बजरिये पत्र संख्या ६८० कृणि मूमि गनु १६६५ हं० को

रामलाला
 रामलाला

८



(१३)

प्राप्त करली है। स्टाम्प डिप्टी सरकारी निर्देशानुसार
सर्किल रेट ३,००,०००/- रुपया प्रति एकड़ के हिसाब
से ७०,९००/- रुपया पर मुबल्लिग १०,२२५/- रुपया
की बढ़ा कीगयी है। अब मेरा कोई हिस्सा बाँकी नहीं
रहा। मुक्ति अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति की
नहीं है। जो नम्बर २ प्लॉक कल्यानपुर है।

चाहदी-

पूरब- वा०नं० १०६१ राम कुमार , बाबुराम व राजकुमार

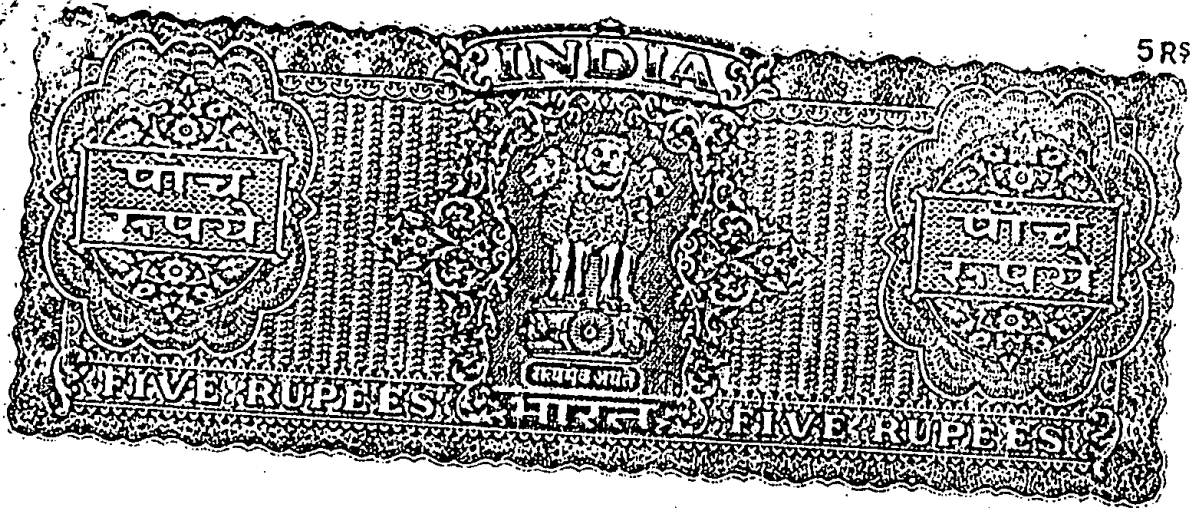
पश्चिम- वा०नं० १०८६ श्रेता महावीर सह०वा० समितिलि०

उत्तर- वाराजी नम्बर १०६० का जुज भाग मिल कियती श्रेता
महावीर सहकारी वावाग समिति

दक्षिण- वैरीकवरपुर बांगर

तफसील बलुयाबी जरे स्मन मुबल्लिग ४६,२५०/- किया लिस

राम लाला
राम लाला



(१४)

हजार दो सौ पचास रुपया।

मुबलिग ४६,२५०।- दिया लिस हजार दो सौ पचास
रुपया रुबरु श्रीमान सब राजस्वार महोदय कानपुर के
मुक़िरा ने उपरोक्त मरीदार समिति से नकद वसूल पा लिया
है। निम्नत जर समन अब एक मी पैसा पाना जिम्मे सरी-
दार के शेष नहें रहा।

तहरीर तारीख- १०-१०-१९९५ ई०

गवाह-१- *समय गुप्ता* *काटिया* *सामा लाला*
पुर्न कालचं पुर काठमा १ पुर

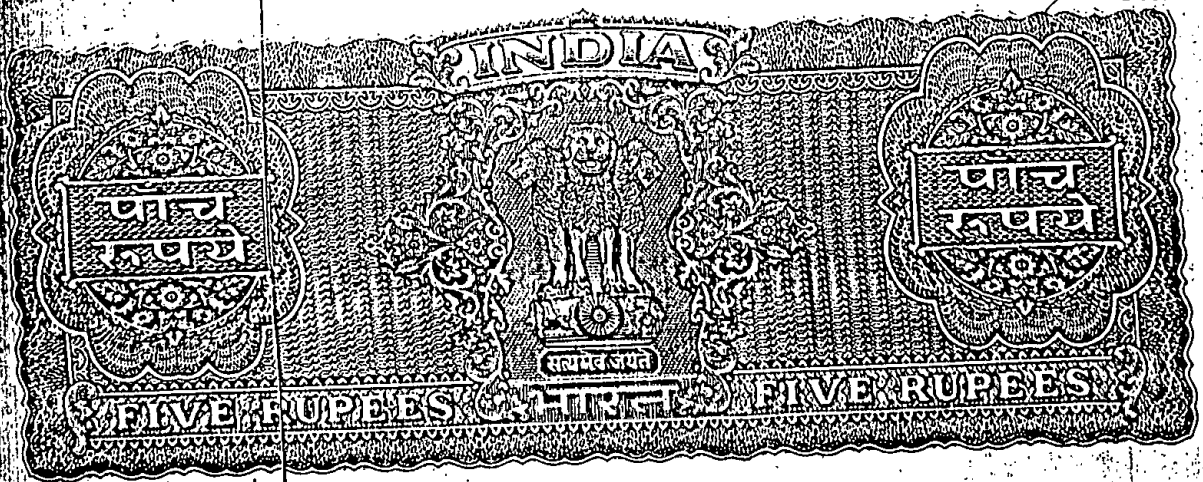
गवाह-२- *लेवदे कारी* *को/लेवदे मन्त्र २/२०/५०*
जी सख्त काठमा २

टाहपकता *सुनिता गुप्ता*

राजेश कुमार सिंह,
ला० नं० ८३ कांटे कानपुर

DRAFTED-BY ME

Ashfaq Khan
16/10/95 Advocate
Court Compound, Kanpur



(१४)

मुबलिग ४६,२५०१- विद्यालिस हजार दो सौ पचास रुपया

कबह श्रीमाव सब गजिस्ठार महोदय कानपुर के मुक्ति राने

उपगोत्र लरीदार समिति ने नकद बरुल पा लिया है निस्वत

गमन अब एक भी पैसा पाना जिम्मे लरीदार के शेष नहीं रहा।

तहरीर तारीख- २४-११-१९६५ ई०

सुशीला देवी

गवाह- १/१/१९६६ ई०
गवाह- २/१/१९६६ ई०

गवाह- ३/१/१९६६ ई०

गवाह- ४/१/१९६६ ई०

टाइपकर्ता-

गजेश कुमार सिंह,

ला जे० ए० कार्टे कानपुर

DRAFTED BY ME

PKSrivastava

Advocate, Kanpur

[Handwritten signature]

२६०२

महसुल/शामिल

पुनर्पत्र

पत्र

मुद्रा

महसुल/शामिल

दिनांक

महसुल/शामिल

महसुल/शामिल

न्यायालय कायदा (संशोधन) अधिनियम १९५६
वाद सं० ५७८/१०
आदेश दिनांक १२-७-१०
वैनामा वापसी दिनांक १४-२-११

वाचक
तहसीलदार सदर
कानपुर नगर

१०/१२/१०

७/१०/१०

न्यायालय कायदा (संशोधन) अधिनियम १९५६

वाद सं० ५७८/१०

सम्पत्ति-१/१० महराज कोठ खोला

१/१० महराज कोठ खोला

१/१० महराज कोठ खोला

१/१० महराज कोठ खोला

१/१० महराज कोठ खोला

१/१० महराज कोठ खोला

१/१० महराज कोठ खोला

१/१० महराज कोठ खोला



०७/०९/१०

१/१० महराज कोठ खोला

१/१० महराज कोठ खोला

१/१० महराज कोठ खोला

१/१० महराज कोठ खोला

१/१० महराज कोठ खोला

90-2-84 98-0-2-11

सं. १००/२०००
 दिनांक ०१/१२/२००१
 राज्य कायदा विभाग
 नं. १००/२०००

महाराष्ट्र सरकार
 न्याय विभाग
 नं. १००/२०००
 दिनांक ०१/१२/२००१

सं. १००/२०००/१२ द्वारा रजिस्ट्री
 कार्यवाही स्थगित की गई।

२५/११/०८

सं. १००/२०००/१२
 कार्यवाही स्थगित की गई।

२२-२-२००० २२-२-२०००
 १५३८
 २०२८
 २०२८

बही नम्बर १००/२००० के पृष्ठ ०१/०५ में द. नं. २९२/२००० पर
 आग दिनांक ०१/१२/२००१ को लिखित नद किया गया।

सं. १००/२०००/१२
 राज्य कायदा विभाग
 नं. १००/२०००/१२
 दिनांक ०१/१२/२००१